SINDHI HIGH SCHOOL, BENGALURU
ANNUAL EXAMINATION, 2022-2023
SUBJECT: HINDI(L2)

CLASS : 7 **Max Marks:80**

DATE: 27/3/2023 **READING TIME: 8AM to 8:15AM**

NO of printed sides: 8 **WRITING TIME:8:15AM to 11:15AM**

सामान्य निर्देश :

इस प्रश्न पत्र में चार खंड है - क ख ग और घ

खंड क - अपठित गद्यांश 10 अंक

खंड ख - व्याकरण 20 अंक

पाठ्य पुस्तकें - 35 अंक

लेखन 15 अंक

चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

कृपया जांच लें कि इस प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न है।

खंड - क

[I]. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: **1x5=5**

कोई व्यक्ति चाहे कितना ही तप कर ले या पूजा - पाठ कर ले , मगर उसे उसका पूरा पुण्य तब तक नहीं मिल सकता , जब तक उसका मन कलुषित हो और झूठ बोलता हो। जब तक उसके मन से कलुषित भावनाएँ नहीं निकलेंगी और वह सत्य बोलने का प्रण नहीं करेगा , तब तक उसका जीवन सफल नहीं होगा। संस्कृत की एक प्रसिद्ध उक्ति है - 'सत्येन धारयते जगत' अर्थात सत्य ही जगत को धारण करता है। व्यवहार में हम देखते है कि यदि कोई व्यक्ति , समाज अथवा राष्ट्र बार - बार असत्य का सहारा लेता है , तो अंततः अवनति को ही प्राप्त होता है। उसकी साख गिर जाती है और वह सार्वजनिक अवमानना का पात्र बनता है। झूठ बोलने वाला व्यक्ति कभी - कभार सत्य भी बोले, तो लोग उस पर विशवास नहीं करते। सच और झूठ से संबंधित महाभारत के युधिष्ठिर का उदाहरण काफी अर्थपूर्ण है। राजा हरिश्चंद्र ने सच्चाई के रास्ते पर चलने के लिए दृढ़ संकल्प कर लिया था। इनके रास्ते में कई बाधाएँ आईं , परन्तु इन्होंने सच्चाई के रास्ते पर चलना नहीं छोड़ा। इन्होंने अपना राज-पाट छोड़ दिया। संसार के सभी धर्मोपदेशक और महापुरुष सत्य का ही गुणगान करते आए हैं। सत्यवादी व्यक्ति किसी अन्य प्रकार के साधन के बिना भी इस संसार में पूज्य और परलोक में मोक्ष का अधिकारी होता है।

1. मनुष्य को उसके पुण्य का फल कब तक नहीं मिलता?

(क) जब तक उसका मन कलुषित हो और झूठ बोलता हो

(ख) उसका मन कलुषित ना हो और झूठ ना बोलता हो

(ग) जब तक आत्मविश्वास ना हो (घ) उपर्युक्त सभी

2. मनुष्य का जीवन कब तक सफल नहीं होगा ?
(क) सत्य बोलने का प्रण नहीं करेगा (ख) सत्य बोलने का प्रण करेगा
(ग) पूजा - पाठ करेगा (घ) उपर्युक्त कोई भी नहीं

3. 'सत्येन धारयते जगत' का अर्थ होता है –
(क) असत्य ही जगत को धारण करता है। (ख) सत्य ही जगत को धारण करता है।
(ग) बार - बार सत्य का सहारा लेना (घ) बार - बार असत्य का सहारा लेना

4. सच और झूठ से संबंधित महाभारत के किस पात्र का उदाहरण काफी अर्थपूर्ण है?
(क) श्री कृष्ण (ख) भीमसेन
(ग) युधिष्ठिर (घ) दुर्योधन

5. कैसे व्यक्ति इस संसार में पूज्य और परलोक में मोक्ष केअधिकारी होते है?
(क) सत्यवादी व्यक्ति (ख) असत्यवादी व्यक्ति
(ग) सारे व्यक्ति (घ) सार्वजनिक व्यक्ति

[II] निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: 5

पर्यावरण का अर्थ है , हमारे चारों तरफ मौजूद हवा का आवरण अर्थात हमारे आसपास का माहौल। जिस वायुमंडल में हम साँस लेते है , उसे पर्यावरण कहते हैं। इसी पर्यावरण के कारण हम जीवित हैं। यदि इस पर्यावरण में अत्यधिक ठंडक या गर्मी बढ़ जाए , तो धरती पर किसी भी प्राणी का जीना दूभर हो जाएगा। हम मानव और अन्य जीव सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में ही जी सकते हैं , इसलिए यह हमारा दायित्व बनता है कि हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखें। इसके लिए हमें धरती को हरा - भरा रखना होगा। इसके जल -संसाधनों को पवित्र बनाए रखना होगा।हम अपनी अनेक आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए जो अंधाधुंध प्रदूषण फैला रहे हैं , उसे रोकना होगा। वन और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। अतः वनों की रक्षा करनी चाहिए। इनके कटाव को रोकना चाहिए। वनों से हमारा पर्यावरण स्वच्छ तथा प्रदूषण मुक्त रहता है। विगत कुछ वर्षों से विकास की दर बढ़ गई है , जिससे पर्यावरण को प्रदूषित और गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन भी अपेक्षा से अधिक बढ़ गया है। इस कारण विकास ने पर्यावरण को दुष्प्रभावित किया है। भूमि की उर्वरता कम होती जा रही है। अब अत्यंत जरूरी हो गया है कि विश्व के सभी देश प्रदूषण और विकास की अस्वच्छ प्रक्रिया पर अंकुश लगाएँ , अन्यथा एक - न - एक दिन धरती पर से जीवन समाप्त हो जाएगा।

1. जिस वायुमंडल में हम साँस लेते है , उसे क्या कहते हैं ?
(क) आवरण (ग) पर्यावरण
(ख) अनावरण (घ) उपजाऊ भूमि

2. हमारे जीवन का अंत कब हो सकता है ?
(क) पर्यावरण में अत्यधिक ठंडक या गर्मी बढ़ने पर
(ख) प्राकृतिक जल मिलना बंद होने पर
(ग) प्रदूषण और विकास की अस्वच्छ प्रक्रिया पर अंकुश न लगाने पर
(घ) उपर्युक्त सभी

3. मनुष्य ने अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए क्या किया है ?
(क) अंधाधुंध प्रदूषण फैलाया है (ग) इच्छाओं को असीमित बनाया है
(ख) हर तरफ प्रसन्नता फैलाई है (घ) अंधाधुंध वस्तुओं का संग्रह किया है

4. पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ कौन रखता है ?
(क) मनुष्य (ग) वन
(ख) परिश्रम (घ) मजदूर

5. विश्व के सभी देशों पर प्रदूषण और विकास की अस्वच्छ प्रक्रिया पर अंकुश नहीं लगाने के क्या दुष्परिणाम हो सकते है ?
(क) लालच शैतान की तरह हावी हो सकता है (ग) धरती पर से जीवन समाप्त हो सकता है
(ख) पर्यावरण प्रदूषणमुक्त हो सकता है (घ) इनमें से कोई भी नहीं

खंड - ख

[III] (क) संधि-विच्छेद कीजिए: 1
1. भारतेंदु 2. रामेश्वर

(ख) नीचे दिए गए शब्दों की संधि कीजिए : 1
1. सूर्य + ऊष्मा 2. सप्त + ऋषि

(ग) दिए गए उपसर्ग से एक - एक शब्द बनाइए: 1
1. ना 2. ला

(घ) दिए गए शब्दों से मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए: 1
1. कमखर्च 2. बदबू

[IV] (क) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: 1
1. आशावादी 2. कोमल

(ख) दिए गए शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए: 1
1. चमकीला 2. ध्यानपूर्वक

(ग) दिए गए प्रत्यय से एक - एक शब्द बनाइए: 1
1. अनीय , 2. कार

[V] (क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थक शब्द लिखिए: 2
1. गौ 2. चाल

(ख) नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए: 1
1. जो थोड़ा जानता हो -
2. जो कल्पना से परे हो -

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो – दो पर्यायवाची लिखिए: 2

1. सरस्वती 2. मित्र

(घ) दिए गए भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए: 2

1) अपेक्षा, उपेक्षा 2) उदधृत, उदयत

[VI] (क) रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य पुनः लिखिए: 1

1. राधा के जेठ जी बनारस गए।
2. हलवाई मिठाई नहीं लाया।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलकर पुनः लिखिए : 1

1. सोनी की भाभी आई।
2. लेखक पुस्तक लिखता है।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर उनके भेद लिखिए : 1

1. किसी ने मेरी पुस्तक चुरा ली।
2. मैंने यह चित्र अपने आप बनाया है।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में काल-भेद लिखिए : 1

1. राहुल कल विदयालय जाएगा।
2. हम शिमला घूमने गए थे।

[VII] (क)अशुद्ध वाक्य को शुद्ध कर पुनः लिखिए: 1

1. उस पर पचास रूपये जुर्माने हुए थे।
2. आपके एक - एक शब्द प्रभावशाली होती है।

(ख) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए: 1

1. हक्का - बक्का रह जाना 2. कान का कच्चा होना

खंड – ग

[VIII] (क)निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: 5

कवि, कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए, एक हिलोर उधर से आए।
सावधान! मेरी वीणा में, चिनगारियाँ आन बैठी हैं,
टूटी हैं मिजराबें, अंगुलियाँ दोनों मेरी ऐंठी हैं।
कंठ रुका है महानाश का मारक गीत रुद्ध होता है,
आग लगेगी क्षण में, हत्तल में अब क्षुब्ध युद्ध होता है।
झाड़ और झंखाड़ दग्ध हैं – इस ज्वलंत गायन के स्वर से
रुद्ध गीत की क्रुद्ध तान है निकली मेरे अंतरतर से।
कण-कण में है व्याप्त वही स्वर रोम-रोम गाता है वह ध्वनि,
वही तान गाती रहती है, कालकूट फणि की चिंतामणि।
आज देख आया हूँ – जीवन के सब राज़ समझ आया हूँ,
भ्रू-विलास में महानाश के पोषक सूत्र परख आया हूँ।

1. कवि अपनी कविता के माध्यम से आह्वान कर रहा है.....
(क) स्वतंत्रता सेनानियों (ग) नवयुवकों से
(ख) देशवासियों से (घ) सेना से।

2.'उथल-पुथल मचने' से कवि का क्या अभिप्राय है?
(क) विद्रोह का होना (ग) आँधी का आना
(ख) क्रांति का आगमन होना (घ) समाज में परिवर्तन का होना।

3. कवि देशवासियों को कैसी तान सुनाना चाहता है?
(क) प्राचीन परंपराओं को समाप्त करने की (ग) बदलाव की
(ख) परिवर्तन एवं नवनिर्माण करना (घ) उपर्युक्त सभी।

4. इस कविता के रचयिता कौन हैं?
(क) रामधारी सिंह दिनकर (ग) सुमित्रानंदन पंत
(ख) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (घ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

5. कवि की वीणा में कैसी चिनगारियाँ आ बैठी हैं?
(क) शांति की (ग) क्रांति की
(ख) भ्रांति की (घ) उपर्युक्त सभी।

(ख) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: 5

मैंने अपनी जूनियर राष्ट्रीय हॉकी सन् 1985 में मणिपुर में खेली। तब मैं सिर्फ 16 साल का था-देखने में दुबला-पतला और छोटे बच्चे जैसा चेहरा...। अपनी दुबली कद-काठी के बावजूद मेरा दबदबा था कि कोई मुझसे भिड़ने की कोशिश नहीं करता था। मैं बहुत जुझारू था-मैदान में भी और मैदान से बाहर भी। 1986 में मुझे सीनियर टीम में डाल दिया गया और मैं बोरिया-बिस्तरा बाँधकर मुंबई चला आया। उस साल मैंने और मेरे बड़े भाई रमेश ने मुंबई लीग में बेहतरीन खेल खेला-हमने खूब धूम मचाई। इसी के चलते मेरे अंदर एक उम्मीद जागी कि मुझे ओलंपिक (1988) के लिए नेशनल कैंप से बुलावा ज़रूर आएगा, पर नहीं आया। मेरा नाम 57 खिलाड़ियों की लिस्ट में भी नहीं था। बड़ी मायूसी हुई। मगर एक साल बाद ही ऑलविन एशिया कप के कैंप के लिए मुझे चुन लिया गया। तब से लेकर आज तक मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मेरी तुनुकमिज़ाजी के पीछे कई वजहें हैं, लेकिन मैं बिना लाग-लपेटवाला आदमी हूँ। मन में जो आता है, सीधे-सीधे कह डालता हूँ.और बाद में कई बार पछताना भी पड़ता है। मुझसे अपना गुस्सा रोका नहीं जाता।मुझे जिंदगी में हर छोटी-बड़ी चीज़ के लिए जूझना पड़ा, जिससे मैं चिड़चिड़ा हो गया हूँ।

1. धनराज ने किस उम्र में जूनियर राष्ट्रीय हॉकी खेली।
(क) 12 वर्ष (ग) 16 वर्ष
(ख) 14 वर्ष (घ) 18 वर्ष।

2. धनराज की तुनुकमिज़ाजी के कारण थे?
(क) उन्हें अपने खेल पर गर्व था (ग) किसी से मेलजोल से दूर रहना
(ख) कुछ पाने के लिए काफ़ी संघर्ष करना पड़ा (घ) इनमें से कोई नहीं।

3. धनराज में खेल के लिए क्या आवश्यक गुण था?
(क) दुबलापन (ग) जुझारूपन
(ख) कम उम्र (घ) बच्चे जैसा चेहरा।

4. 1986 ई० में धनराज के जीवन में क्या महत्त्वपूर्ण परिवर्तन आया?
(क) खिलाड़ी के रूप में पहचान पाना (ग) क्षेत्रीय टीम में चयन होना
(ख) राष्ट्रीय टीम में शामिल होना (घ) जूनियर हॉकी टीम में चयनित होना।

5. धनराज के स्वभाव में कमी क्या थी?
(क) क्रोध आना (ग) तुनुकमिज़ाजी
(ख) हँसमुख होना (घ) दिलदार।

(ग) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: **5**

हर महीने औसतन दस अतिथियों के आने की संभावना है। इसमें तीन या पाँच सपरिवार होंगे, इसलिए स्थान की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि परिवारवाले लोग अलग रह सकें और शेष एक साथ। इसको ध्यान में रखते हुए तीन रसोईघर हों और मकान कुल पचास हज़ार वर्ग फुट क्षेत्रफल में बने तो सब लोगों के लायक जगह हो जाएगी। इसके अलावा -खेती के लिए पाँच एकड़ जमीन की ज़रूरत थी, क्योंकि इतने लोगों के भोजन का सामान खरीदना कठिन था। गांधी जी एक ऐसे आश्रम की स्थापना कर रहे थे। इसके लिए स्थान की ज़रूरत थी, आवश्यक वस्तुओं, पुस्तकों, भोजन की व्यवस्था करने की जरूरत थी। वहाँ सत्याग्रह तथा स्वदेशी आंदोलन की योजनाएँ तैयार करनी थीं। वह आश्रम एक दो दिन के लिए नहीं, लंबे समय के लिए बनाया जा रहा था। अतः स्थायी व्यवस्था के लिए गांधी ने खर्च का लेखा-जोखा तैयार दिया।

1. उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?
i. आश्रम का वास्तविक व्यय iii. आश्रम का अनुमानित व्यय
ii. आश्रम का काल्पनिक व्यय iv. आश्रम का अनुमानित खर्च
2. हर महीने औसतन दस अतिथियों के आने की संभावना थी। ऐसा किस स्थान के लिए कहा गया है ?
i.अहमदाबाद आश्रम ii. साबरमती आश्रम
iii. काठियावाड़ आश्रम iv. भावनगर आश्रम
3. रहने के लिए कितने प्रकार की व्यवस्था सोची जा रही थी ?
i. सभी के लिए एक समान ii. दो प्रकार की
iii. तीन प्रकार की iv. चार प्रकार की
4. उपर्युक्त गद्यांश से गांधी जी के किस गुण का संकेत मिलता है ?
i. साहस ii. त्याग
iii. सच्चाई iv. दूरदर्शिता
5. मकान कुल कितने क्षेत्रफल में बनाना उचित माना गया ?
i. पचास हज़ार वर्ग फुट ii. तीस हज़ार वर्ग फुट
iii. पाँच हज़ार वर्ग फुट iv. पच्चीस हज़ार वर्ग फुट

[IX] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: **2 x4=8**

1. पक्षी उन्मुक्त होकर अपनी कौन - कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते है ?
2. रहीम ने क़ार के मास में गरज़ने वाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है जो

पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजनेवाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?

3. आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई ? आस-पास के लोगों ने क्या किया ?
4. कविता 'भोर और बरखा ' के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए। मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा ?

[X] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-(ANY THREE) **2 x3=6**

1. दुकानदार और ड्राइवर के सामने अप्पू की क्या स्थिति है ? वे दोनों उसको देखकर पहले परेशान होते हैं, फिर हँसते हैं। कारण बताइए।
2. खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है ?
3. नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से किस तरह बचाया ? इस घटना के आधार पर नीलकंठ के स्वभाव की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
4. वीर कुँवर सिंह के व्यक्तित्व की कौन - कौन सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया ?

[XI] निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (ANY SIX) **1x6=6**

1. घटोत्कच कौन था ?
2. पाँचवे दिन के युद्ध में क्या हुआ ?
3. भीष्म के नेतृत्व में कौरवों ने कितने दिन यद्ध किया ?
4. अर्जुन के भ्रम को दूर करने हेतु श्री कृष्ण ने यद्ध क्षेत्र में क्या किया ?
5. राजकुमार उत्तर को कंक के बारे में क्या मालुम हुआ ?
6. आकाश से भी ऊँचा कौन है ?
7. बर्तनों में सब से बड़ा बर्तन कौन है ?
8. महर्षि दुर्वासा अपने कितने शिष्यों के साथ दुर्योधन के महल में पधारे ?

खंड – घ

[XII] दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए: **5**

1. छुट्टी, मौज मस्ती का दिन

* छुट्टी का बेसब्री से इंतजार
* निश्चिंत होकर जीवन बिताना
* पहले से कार्यक्रम की तैयारी
* छुट्टी समाप्त होने पर आने वाले दिन की चिंता

2. हमारा राष्ट्रीय ध्वज

* राष्ट्रीय ध्वज का महत्व
* अशोक चक्र
* ध्वज के हर एक रंग का महत्व
* ध्वज फहराने के नियम

3. वसंत ऋतु

* भिन्न - भिन्न ऋतुएँ
* ऋतु से जुड़ी कथा
* ऋतु का पौराणिक महत्व
* वसंत ऋतु वरदान

[XIII] निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : - **5**

अपने मित्र को पत्र लिखिए कि वह किताबी कीड़ा न बनकर अन्य गतिविधियों में भी भाग लिया करे।

अथवा

परीक्षा से पूर्व अस्वस्थ होने पर मित्रों की सहायता का उल्लेख करते हुए पिता को पत्र लिखिए।

[XIV] निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन कीजिए :- **5**

दो मित्रों के बीच वार्षिकोत्सव पर संवाद लेखन –

अथवा

दो दोस्तों के बीच जीवन लक्ष्य को लेकर संवाद लेखन –

SINDHI HIGH SCHOOL, BENGALURU
ANNUAL EXAMINATION, 2022-2023
SUBJECT: HINDI(L2)

CLASS : 7 **Max Marks:80**

DATE: 27/3/2023 **ANSWER KEY**

खंड - क

[I] 1. (ख) उसका मन कलुषित ना हो और झूठ ना बोलता हो 1X5=5
2. (क) सत्य बोलने का प्रण नहीं करेगा
3. (ख) सत्य ही जगत को धारण करता है।
4. (ग) युधिष्ठिर
5. (क) सत्यवादी व्यक्ति

[II] 1. (ग) पर्यावरण 1X5=5
2. (ग) प्रदूषण और विकास की अस्वच्छ प्रक्रिया पर अंकुश न लगाने पर
3. (क) अंधाधुंध प्रदूषण फैलाया है
4. (ग) वन
5. (ग) धरती पर से जीवन समाप्त हो सकता है

खंड - ख

[III](क) भारत + इंदु राम + इश्वर ½ x2=1
(ख) सूर्योष्मा सप्तर्षि ½ x2=1

(ग) 1. ना - नाखुश, नापसंद , नालायक 2. ला - लावारिस लाइलाज लाज़वाब ½ x2=1
(घ) 1. कम+खर्च 2. बद+बू ½ x2=1

[IV] (क) 1. निराशावादी 2. कठोर ½ x2=1
(ख) 1. ईला 2. पूर्वक ½ x2=1
(ग) 1. आदरणीय गोपनीय 2. चित्रकार नाटककार कथाकार ½ x2=1

[V] (क) 1. गौ- पृथ्वी , स्वर्ग , गाय 2. चाल - गति, आहट, धोखा , चालाकी , रिवाज़ ½ x 4=2
(ख) 1. अल्पज्ञ 2. कल्पनातीत ½ x2=1
(ग) 1. सरस्वती- 2. मित्र- मीत ,सखा ,सहचर , दोस्त ½ x4=2
(घ) 1) अपेक्षा -तुलना उपेक्षा - निरादर 2) उदधृत, उदयत ½ x4=2

[VI] (क) 1. राधा की जेठानी जी बनारस गई। हलवाइन मिठाई नहीं लाई। ½ x2=1
(ख) सोनी की भाभियाँ आईं। लेखक पुस्तकें लिखता है। ½ x2=1
ग) 1. किसी - अनिश्चयवाचक सर्वनाम 2. अपने आप - निजवाचक सर्वनाम ½ x2=1
(घ) 1. भविष्यत काल 2. भूतकाल ½ x2=1

[VII](क) 1. उस पर पचास रूपये जुर्माना हुआ था। ½ x2=1
2. आपका एक - एक शब्द प्रभावशाली होता है।
(ख) 1. हक्का - बक्का रह जाना 2. कान का कच्चा होना ½ x2=1

खंड – ग

[VIII] (क)1(ग) नवयुवकों से 2.(ख) क्रांति का आगमन होना 3. (घ) उपर्युक्त सभी। 1 x5=5

4. (ख) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' 5. (ग) क्रांति की

(ख) 1. (ग) 16 वर्ष 2. (ख) कुछ पाने के लिए काफ़ी संघर्ष करना पड़ा 3. (ग) जुझारूपन 4. (ख) राष्ट्रीय टीम में शामिल होना 5. (ग) तुनुकमिज़ाजी 1x5=5

(ग) 1. iii. आश्रम का अनुमानित व्यय 2. i.अहमदाबाद आश्रम 3. ii. दो प्रकार की 4. iv. दूरदर्शिता 5. i. पचास हज़ार वर्ग फुट 1 x5=5

2x4=8

[IX]

उत्तर-1.पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी इन इच्छाओं को पूरा करना चाहते हैं

(क) वे खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं।

(ख) वे अपनी गति से उड़ान भरना चाहते हैं।

(ग) नदी-झरनों का बहता जल पीना चाहते हैं।

(घ) नीम के पेड़ की कड़वी निबौरियाँ खाना चाहते हैं।

(ङ) पेड़ की सब ऊँची फुनगी पर झूलना चाहते हैं।

वे आसमान में ऊँची उड़ान भरकर अनार के दानों रूपी तारों को चुगना चाहते हैं। क्षितिज मिलन करना चाहते हैं।

उत्तर-2. रहीम ने आश्विन (क्वार) के महीने में आसमान में छाने वाले बादलों की तुलना निर्धन हो गए धनी व्यक्तियों से इसलिए की है, क्योंकि दोनों गरजकर रह जाते हैं, कुछ कर नहीं पाते। बादल बरस नहीं पाते, निर्धन व्यक्ति का धन लौटकर नहीं आता। जो अपने बीते हुए सुखी दिनों की बात करते रहते हैं, उनकी बातें बेकार और वर्तमान परिस्थितियों में अर्थहीन होती हैं। दोहे के आधार पर सावन के बरसने वाले बादल धनी तथा क्वार के गरजने वाले बादल निर्धन कहे जा सकते हैं।

उत्तर- 3. घमंडी की आँख में तिनका पड़ने पर उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी। वह बेचैन हो गया और उसका सारा ऐंठ समाप्त हो गया।घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास के लोगों ने कपड़े की मुँठ बनाकर उसकी आँख में डाली।

उत्तर-4. सावन के आते ही बादल चारों दिशाओं में उमड़-घुमड़कर विचरण करने लगते हैं। बिजली चमकने लगती है, वर्षा की नन्हीं-नन्हीं बूंदे बरसती हैं। शीतल हवाएँ बहने लगती हैं और मौसम सुहावने लगने लगते हैं। मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा, क्योंकि सावन की फुहारें में मन में उमंग जगाने लगती हैं तथा श्रीकृष्ण के आने का आभास हो गया।

[X] 2 x3=6

उत्तर-1. दुकानदार व ड्राइवर के सामने अप्पू एक छोटा बच्चा है जो अपनी ही दुनिया में मस्त है। दुकानदार उसे देखकर पहले परेशान होता है। वह कंचे देख तो रहा है लेकिन खरीद नहीं रहा। फिर जैसे ही अप्पू ने कंचे खरीदे तो वह हँस दिया। ऐसे ही जब अप्पू के कंचे सड़क पर बिखर जाते हैं तो तेज़ रफ़्तार से आती कार का ड्राइवर यह देखकर परेशान हो जाता है कि वह दुर्घटना की परवाह किए बिना, सड़क पर कंचे बीन रहा है। लेकिन जैसे ही अप्पू उसे इशारा करके अपना कंचा दिखाता है तो वह उसकी बचपन की शरारत समझकर हँसने लगता है।

उत्तर-2. खानपान के मामले में स्वाधीनता का अर्थ है किसी विशेष स्थान के खाने-पीने का विशेष व्यंजन। जिसकी प्रसिद्धि दूर दूर तक हो। मसलन मुंबई की पाव भाजी, दिल्ली के छोले कुलचे, मथुरा के पेड़े व आगरे के पेठे, नमकीन आदि। पहले स्थानीय व्यंजनों का प्रचलन था। हर प्रदेश में किसी न किसी विशेष स्थान का कोई-न-कोई व्यंजन अवश्य प्रसिद्ध होता था। भले ही ये चीजें आज देश के किसी कोने

में मिल जाएँगी लेकिन ये शहर वर्षों से इन चीजों के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन आज खानपान की मिश्रित संस्कृति ने लोगों को खाने-पीने के व्यंजनों में इतने विकल्प दे दिए हैं कि स्थानीय व्यंजन प्रायः लुप्त होते जा रहे हैं। आज की पीढ़ी तो कई व्यंजनों से भलीभाँति अवगत/परिचित भी नहीं है। दूसरी तरफ़ महँगाई बढ़ने के कारण इन व्यंजनों की गुणवत्ता में कमी होने से भी लोगों का रुझान इनकी ओर कम होता जा रहा है। हाँ, पाँच सितारा होटल में इन्हें 'एथनिक' कहकर परोसने लगे हैं।

उत्तर-3. एक बार एक साँप जालीघर के भीतर आ गया। सब जीव-जंतु भागकर इधर-उधर छिप गए, केवल एक शिशु खरगोश साँप की पकड़ में आ गया। साँप ने उसे निगलना चाहा और उसका आधा पिछला शरीर मुँह में दबा लिया। नन्हा खरगोश धीरे-धीरे चीं-चीं कर रहा था। सोए हुए नीलकंठ ने दर्दभरी व्यथा सुनी तो वह अपने पंख समेटता हुआ झूले से नीचे आ गया। अब उसने बहुत सतर्क होकर साँप के फन के पास पंजों से दबाया और फिर अपनी चोंच से इतने प्रहार उस पर किए कि वह अधमरा हो गया और फन की पकड़ ढीली होते ही खरगोश का बच्चा मुख से निकल आया। इस प्रकार नीलकंठ ने खरगोश के बच्चे को साँप से बचाया।
इस घटना के आधार पर नीलकंठ के स्वभाव की निम्न विशेषताएँ उभर कर आती हैं-

1. सतर्कता-जालीघर के ऊँचे झूले पर सोते हुए भी उसे खरगोश की कराह सुनकर यह शक हो गया कि कोई प्राणी कष्ट में है और वह झट से झूले से नीचे उतरा।
2. वीरता-नीलकंठ वीर प्राणी है। अकेले ही उसने साँप से खरगोश के बच्चे को बचाया और साँप के दो खंड (टुकड़े) करके अपनी वीरता का परिचय दिया।
3. कुशल संरक्षक-खरगोश को मृत्यु के मुँह से बचाकर उसने सिद्ध कर दिया कि वह कुशल संरक्षक है। उसके संरक्षण में किसी प्राणी को कोई भय न था।

उत्तर-4. वीर कुंवर सिंह के व्यक्तित्व की निम्न विशेषताएँ हमें प्रभावित करती हैं-

1. वीर सेनानी-कुँवर सिंह महान वीर सेनानी थे। 1857 के विद्रोह में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व अंग्रेजों को कदम-कदम पर परास्त किया। कुँवर सिंह की वीरता पूरे उत्तर भारत द्वारा भुलाई नहीं जा सकती। आरा पर विजय प्राप्त करने पर इन्हें फौजी सलामी भी दी गई।
2. स्वाभिमानी-इन्होंने वीरता के साथ-साथ स्वाभिमानी की भी मिसाल दी। जब वे शिवराजपुर से गंगा पार करते हुए जा रहे थे तो डगलस की गोली का निशाना बन गए। उनके हाथ पर गोली लगी। उस समय वे न तो वहाँ से भागे और न ही उपचार की चिंता की, बल्कि हाथ ही काटकर गंगा में बहा दिया।
3. उदार स्वभाव-वे अत्यधिक उदार स्वभाव के थे। किसी प्रकार का कोई जातिगत भेदभाव उनमें न था। यहाँ तक कि उनकी सेना में इब्राहिम खाँ और किफायत हुसैन मुसलमान होते हुए भी उच्च पदों पर आसीन थे। वे हिंदू-मुसलमान दोनों के त्योहार सबके साथ मिलकर मनाते थे।
4. दृढ़निश्चयी-उन्होंने अपना जीवन देश की रक्षा हेतु समर्पित किया। जीवन के अंतिम पलों में इतने वृद्ध हो जाने पर भी सदैव युद्ध हेतु तत्पर रहते थे। यहाँ तक कि मरने से तीन दिन पूर्व ही उन्होंने जगदीशपुर में विजय पताका फहराई।।
5. समाज सेवक-एक वीर सिपाही के साथ-साथ वे समाज सेवक भी थे। उन्होंने कई पाठशालाओं, कुओं व तालाबों का निर्माण करवाया। वे निर्धनों की सदा सहायता करते थे।
6. साहसी-कुँवर सिंह का साहस अतुलनीय है। 13 अगस्त, 1857 को जब कुँवर सिंह की सेना जगदीशपुर में अंग्रेजों से परास्त हो गई तो उन्होंने साहस न छोड़ा, बल्कि भावी संग्राम की योजना बनाने लगे। सासाराम से मिर्जापुर होते हुए रीवा, कालपी, कानपुर, लखनऊ से आजमगढ़ की ओर

बढ़ते हुए उन्होंने आजादी की आग को जलाए रखा। पूरे उत्तर भारत में उनके साहस की चर्चा थी। अंत में 23 अप्रैल, 1858 को आजमगढ़ में अंग्रेजों को हराते हुए उन्होंने जगदीशपुर में स्वाधीनता की विजय पताका फहरा कर ही दम लिया।

[XI] 1x6=6

1. घटोत्कच भीम का पुत्र था।
2. पाँचवे दिन के युद्ध में अर्जन ने हजारों कौरव-सैनिकों का जीवन समाप्त कर दिया।
3. भीष्म के नेतृत्व में कौरवों ने दस दिनों तक यद्ध किया।
4. अर्जुन के भ्रम को दूर करने हेतु श्री कृष्ण ने यद्ध क्षेत्र में कर्मयोग का उपदेश दिया।
5. राजकुमार उत्तर को कंक के बारे में अर्जुन से पता चला कि कंक ही असल में युधिष्ठिर हैं।
6. आकाश से भी ऊँचा पिता है।
7. भूमि सबसे बड़ा बर्तन है, जिसमें सब कुछ समा सकता है।
8. महर्षि दुर्वासा अपने दस हज़ार शिष्यों के साथ दुर्योधन के महल में पधारे।

खंड – घ

[XII] अनुच्छेद 5

भूमिका	1
विषय -सामग्री	3
उपसंहार	1

[XIII] पत्र 5

स्थान एवं तिथि, संबोधन, अभिवादन	1
पत्र का कलेवर	3
भाषा	1

[XIV] संवाद लेखन :- 5

आरंभ और अंत की औपचारिकता	1
विषयवस्तु	3
भाषा	1